क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, मैसूरु

द्वारा आयोजित

एक दिवसीय

अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार

विषय:

हिंदी का विश्व और विश्व में हिंदी

दिनांक- 08.09.2021

विद्यया ऽमृतमश्नुते

एन सी ई आर टी
NCERT

ಪ್ರಾದೇಶಿಕ ಶಿಕ್ಷಣ ಸಂಸ್ಥೆ, ಮೈಸೂರು
क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, मैसूरु
REGIONAL INSTITUTE OF EDUCATION, MYSURU
(A constituent Unit of National Council of Educational Research and Training, New Delhi)

वेबसाइट:www.riemysore.ac.in
फोन:- 0821-2514095, फैक्स:- 0821-2515665

संस्थान के बारे में

क्षेत्रीय शिक्षा सस्थान, मैसूरु, राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसधान और प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी), नई दिल्ली द्वारा स्थापित पाँच सस्थानो मे से एक है. अन्य सस्थान अजमेर, भोपाल, भुवनेश्वर और शिलाग मे स्थित है. क्षेत्रीय शिक्षा सस्थान मुख्य रूप से प्री-सर्विस और इन-सर्विस शिक्षक-प्रशिक्षण कार्यक्रम, पाठ्यचर्या व पाठ्यपुस्तक निर्माण, प्रासगिक अनुसधान, विकास और विस्तार गतिविधियो के माध्यम से स्कूली शिक्षा मे गुणात्मक सुधार के उद्देश्यो के लिए प्रतिबद्ध है. क्षेत्रीय शिक्षा सस्थान, मैसुरु, देश, विशेषकर दक्षिणी क्षेत्र के शैक्षिक परिदृश्य मे बदलाव से उत्पन्न जिम्मेदारियो और चुनौतियो का समाधान करने के लिए प्रयासरत रहता है. यह सस्थान दक्षिण भारतीय राज्यो अर्थात् आध प्रदेश, कर्नाटक, केरल, तमिलनाडु और केद्र शासित प्रदेशो पांडिचेरी और लक्षद्वीप की जरूरतो को पूरा करता है. प्रत्येक क्षेत्रीय शिक्षा सस्थान मे एक प्रायोगिक विद्यालय (डीएमएस) भी है, जो स्कूली शिक्षा और शिक्षक-प्रशिक्षण कार्यक्रम मे नवाचार के लिए एक प्रयोगशाला के रूप मे स्थापित है.

राष्ट्रीय वेबिनार के बारे में

हमारा समय भूमडलीकरण और बाजार के बढते वर्चस्व का समय है. भाषाए दिन-प्रतिदिन मर रही है. आकडो के अनुसार हर पन्द्रह दिन मे एक बोली या भाषा मर रही है. ऐसा लग रहा है आने वाले समय मे अगेजी की भाषाई मोनोपोली हो जाएगी; वही विश्व भाषा बन जाएगी. ऐसे वैश्विक माहौल वाले विश्व बाजार मे अन्य भाषाएँ और हिन्दी कितना टिकेगी; यह गभीर प्रश्न है. हिन्दी का भविष्य कैसा होगा? वह विश्व बाजार मे कहाँ ठहरेगी? बदली हुई इक्कीसवी सदी मे हिदी का स्वरुप और ससार कैसा होगा? यह सब जानना समझना विचारना जरुरी हो गया है. इसी के मद्देनजर क्षेत्रीय शिक्षा सस्थान, मैसुरु एक दिवसीय अतर्राष्ट्रीय वेबिनार करने जा रहा है जिसका विषय **'हिंदी का विश्व और विश्व में हिंदी'** रखा गया है. इसके माध्यम से बदले माहौल मे हिदी की दुनिया और दुनिया मे हिदी पर विस्तृत चर्चा-परिचर्चा के लिए एक मच उपलब्ध कराने का प्रयास है.

वेबिनार का उद्देश्य

इस एक दिवसीय अतर्राष्ट्रीय वेबिनार मे भूमडलीकृत बाजार वाली दुनिया और बहुभाषिक भारत मे हिदी की महता, सामर्थ्य, स्थिति, चुनौतियाँ, बदलाव और सभावनाए विमर्श के केद्र मे है. बदले माहौल मे नयी हिदी को किस तरह स्वीकार किया जाय जिससे हिदी का स्वत्व और तत्व बचा रह सके, यह हमारी चिता है. वेबिनार का उद्देश्य इन सभी आयामो व सन्दर्भो मे सवाद करना है.

वेबिनार के विषय, उपविषय

इस एक दिवसीय अतर्राष्ट्रीय वेबिनार का मुख्य विषय **'हिंदी का विश्व और विश्व में हिंदी'** है जिसके निम्नलिखित उपविषय है -

विश्व बाजार मे हिदी, 21वी सदी मे हिदी, एटरटेनमेट इडस्ट्री मे हिदी, मीडिया मे हिदी, स्कूलो, विश्वविद्यालयो मे हिदी, इटरनेट व सोशल मीडिया मे हिदी, पाठ्यक्रमो मे हिदी, सरकारी कामकाज मे हिदी, बोलचाल की हिदी, नई वाली हिदी, विश्व मे हिदी, भविष्य मे हिदी, साहित्य मे बदलती हिदी, पूरब मे हिदी, पूर्वोतर मे हिदी, पश्चिम मे हिदी, उत्तर मे हिदी, दक्षिण मे हिदी

कार्यक्रम विवरणिका

उद्घाटन समारोह:-

सुबह 09.30 से 11:00 बजे तक

अध्यक्षता

प्रो. वाई. श्रीकांत

वेबिनार की रूपरेखा

डॉ. सर्वेश मौर्य (वेबिनार समन्वयक)

मुख्य अतिथि

राज हिरामन, प्रवासी साहित्यकार, मारीशस

प्रथम सत्र :-

11:00 बजे से 01:00 बजे तक

1) प्रो. ए अरविंदाक्षन, महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

विषय:- दक्षिण भारत में हिंदी (11:00 से 11:40 बजे तक)

2) प्रो. सदानंद साही, बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी

विषय:- हिन्दी :पुनर्नवा के सोत (11:40 से 12:20 बजे तक)

3) प्रो. जितेन्द्र श्रीवास्तव, इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, नई दिल्ली

4) विषय:- भविष्य में हिंदी (12:20 से 01:00 बजे तक)

भोजनावकाश:-

01:00 से 02:00 बजे तक

द्वितीय सत्र :-

02:00 से 04.00 बजे तक

4) प्रो. राम निवास, क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, एनसीईआरटी, अजमेर

विषय:- बदलते सामाजिक सरोकार और हिन्दी (02:.00 से 02.40 बजे तक)

5) प्रो. गिरिराज शरण अग्रवाल, वर्धमान स्नातकोतर महाविद्यालय, बिजनौर (उ.प्र.)

विषय:- भूमंडलीकरण, बाज़ार और हिंदी (02.40 से 03:20 बजे तक)

6) डॉ महेश दवंगे, सावित्रीबाई फुले पुणे विश्वविद्यालय, पुणे

विषय:- सोशल मीडिया और हिंदी (03:20 से 04:00 बजे तक)

समापन समारोह:-

04:00 से 05:30 बजे तक

अध्यक्षता

प्रो. वाई. श्रीकांत

रिपोर्ट प्रस्तुतिकरण

डॉ. सर्वेश मौर्य

मुख्य अतिथि

सुरेश चन्द्र शुक्ल 'शरद आलोक', प्रवासी साहित्यकार, ओस्लो, नार्वे

प्रतिभागियों के फीडबैक

(नोट: - प्रत्येक व्याख्यान 30 मिनट का होगा तथा 10 मिनट का समय परिचर्चा के लिए निर्धारित है। कार्यक्रम के अंत में फीडबैक फॉर्म भरकर भेजनेवाले प्रतिभागी को ही सहभागिता ई-प्रमाणपत्र दिया जाएगा।)

एक दिवसीय

अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार

विषय:

हिंदी का विश्व और विश्व में हिंदी

संरक्षक

प्रो. श्रीधर श्रीवास्तव (निदेशक, एनसीईआरटी)

अध्यक्ष

प्रो.वाई.श्रीकांत (प्रिंसिपल, क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, मैसुरु)

वेबिनार समन्वयक

डॉ.सर्वेश मौर्य

सलाहकार समिति

प्रो.जी.वी.गोपाल प्रो.सी.जी. वेंकटेश मूर्ति, प्रो.एस.रमा, प्रो.सी.पद्मजा रेड्डी, प्रो.वी.एस.प्रसाद, डॉ.वी.प्रसाद,

संयोजन समिति

प्रो.ए.सुकुमार, प्रो. जी विश्वनाथाप्पा, प्रो.कल्पना वेणुगोपाल, प्रो.एम.यू.पाईली, प्रो.वी.रामदास, प्रो.के.अनिल कुमार, प्रो.गीता नायर, प्रो.पी.आर.हरिनाथ, प्रो.मल्ली गाँधी, डॉ.टी.वी. सोमशेखर, डॉ.सुजाता बी.एच, डॉ.करुणाकरण बी.साजी, डॉ.वी.चंद्रन्ना, डॉ.शिवानंद सी, डॉ. वी. तंगपू, डॉ.रमन नंबूदरी, डॉ तमिल सेल्वन, श्री नागराज, डॉ मधु बी., डॉ संतोष कुमार, श्री सुरेश कुमार, डॉ. हनुमंतय्याह.टी, राजीव कुमार

Registration Link

https://forms.gle/HozxqiTrMXnjQS2eA

https://t.me/joinchat/x2b8fY7kebZiMjBl